Office of the Principal
GOVT. DEGREE COLLEGE BALDWARA
Tehsil Baldwara, District Mandi (H.P.) 175033
Phone No. : 01905-292204
Website : www.gcbaldwara.ac.in
Email ID : gcbaldwara@gmail.com

Ref. No. Session 2023-24

Date 19-10-2024

Popular Article published by faculty members in academic session 2023-24

Article published by Dr. Dayak Ram Thakur Associate Professor Political Science

Titled "Gram Kuther: Ek bahuyayami Adhyayan" in Itihaas Diwakar Patrika published by Thakur Ramsingh Itihas Sodh sansthan Neri Hamirpur Himachal Pradesh ISSN 2250-2769

Principal
GDC Baldwara

Principal
G.D.C. Baldwara,
Distt. Mandi (H.P.)

ISSN 2250-2769

गांव का इतिहास

ग्राम कुटेड़ : एक बहुआयामी अध्ययन
(भूगोल, समाज, इतिहास आर्थिकी व संस्कृति)

डॉ. दायक राम ठाकुर

शोध सारांश

हिमाचल प्रदेश का प्रत्येक गांव अपने इतिहास व विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के लिए जाना जाता है। मण्डी जनपद की उप-तहसील पांगणा का खूबसूरत गांव कुटेड़ बेशुमार हरियाली व प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर है। समुद्र जल से करीब ७००० फुट की ऊंचाई पर स्थित यह हिमाचल प्रदेश विधानसभा क्षेत्र नाचन का अन्तिम व दुर्गम गांव है। प्राचीन सुकेत रियासत के अलावा मैदानगढ़ (मदनगढ़) की शिवा देहरा घाटी के इतिहास व संस्कृति को अपने में समाए हुए है। इस गांव का इतिहास लगभग ३०० वर्ष पुराना है परन्तु इससे पूर्व भी यहां लोग रहते थे जो समय व प्राकृतिक घटनाओं के कारण समाप्त या पलायन को मजबूर हो गए। १०वीं-११वीं शताब्दी में सुकेत के राजा मदनसेन के शासन काल में यह रियासत काफी फली-फूली व इसका विस्तार हुआ। मण्डी रियासत के राजा सिद्धसेन (१६८४-१७२७ ई.) ने युद्ध में सुकेत के नौगढ़ नाचन व १८ गढ़ सराज जीते थे, जिनमें मदनगढ़ भी एक था। इसके पश्चात यह गांव १५ अप्रैल, १९४८ अर्थात् हिमाचल निर्माण तक मण्डी रियासत के अधीन रहा। २५० से ३०० वर्ष पूर्व बाहर से आए लोगों ने यह गांव पुनः बसाया। ग्राम कांढ़ा (तहसील करसोग) के नंदू नामक पुरुष ने ४० बीघा कुटेड़ खरीदा था। कृषि तथा पशुपालन के अलावा यहां के लोगों का जीवन वन सम्पदा पर निर्भर करता है। खूड और महासू जंगल यहां प्राकृतिक सम्पदा के प्रचुर भण्डार हैं। ग्राम कुटेड़ के लोग भोले-भाले, मेहनतकश, कलाप्रेमी व धर्मनिष्ठ हैं। देवता महासू, हिरमा देवी तथा शिकारी योगिनी (माता) यहां के निवासियों की आस्था व अटूट विश्वास का केन्द्र है। यहां के प्रमुख मेलों में कटवाहची जात्रा (कटवाहची मेला जहां देव महासू, गीह नाग तथा महादेव के तीन देवरथ शोभायमान रहते हैं), देव महासू का तीसरे व पांचवें वर्ष में हार (देवता का निश्चित क्षेत्र) का भ्रमण शामिल है। प्रमुख त्योहारों व सामाजिक संस्कारों में शिवरात्रि, माघी (लोहड़ी), सैर संक्रान्ति, होली, बिर्शु का साजा (वैशाखी), देओजी (देवता को अतिथि बुलाकर धाम का आयोजन), गंतरयाला इत्यादि शामिल है। लोकगीत, लोक नृत्य, लोकगाथाएं, लोकाचार इत्यादि यहां की समृद्ध संस्कृति के वाहक हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में मण्डी जनपद के ग्राम कुटेड़ का बहुआयामी अध्ययन किया गया है जिसमें विशेषतः यहां के भूगोल, समाज, इतिहास, आर्थिकी व संस्कृति का विश्लेषण किया गया है। शोध में जानकारी जुटाने के लिए विधि (Primary Method) का प्रयोग किया गया है। इसमें साक्षात्कार विधि का विशेष रूप से प्रयोग किया गया है।

संकेत शब्द : शिवा देहरा घाटी, मैदानगढ़, आवतरू, चौर, पूहला, आंचली, घरीया, मलेगी, खारका, जवारी, जुठोबरा, नहरलू, ढाल जी इत्यादि।

ISSN 2250-2769

इतिहास दिवाकर

पीयर रिव्यूड अर्द्धवार्षिक अनुसंधान पत्रिका

वर्ष १७ अंक १ चैत्र मास कलियुगाब्द ५१२६ अप्रैल २०२४

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय

संवीक्षण

- नवसंवत्सर एवं लोक परम्परा — शशि शर्मा — ५
- श्रीराम की अजेय एवं यज्ञीय अयोध्या : ऐतिहासिक यथार्थ — प्रो. ईश्वरशरण विश्वकर्मा — १४
- अयोध्या का इतिहास एवं संस्कृति — प्रो. अनूप कुमार — २२
- भारतीय संस्कृति में रामकथा एवं रामलीला — प्रो. संजय कुमार, डॉ. किशोरी लाल — २६
- भारतीय सांस्कृतिक विरासत और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम — प्रो. मनोज चतुर्वेदी — ३८
- राजस्थान की साहित्य, संस्कृति और कला में राम और रामायण — डॉ. मनीश श्रीमाली — ४६
- पौड़ी गढ़वाल में रामवार्ता की ऐतिहासिक परम्परा — डॉ. शिवानी रावत — ५६
- हिमाचल के लोकसाहित्य एवं लोककला में राम का चारित्रिक वर्णन — डॉ. हिमेन्द्र बाली — ७१
- राम की महिमा का सरल-सरस वाचन करते हिमाचली लोकगीत — डॉ. रविन्द्र सिंह
- राममय हिमाचल : एक यात्रा वृत्तान्त — डॉ. चेतराम गर्ग — ८२
- Rama, Ramayana and Southeast Asia — Dr. D.C. Choubey, Anushka Kaushik — ९७
- Legal Trajectories of Historical Ayodhya Ram Temple: A Sanatana Faith Symbol — Dr. Sumer Khajuria — १०७

वैदिक गणित

- Unlocking Efficiency: A Study on the Significance of the three Sutras of Vedic Mathematics in Optimizing Fundamental Mathematical Operations — Pankaj Kumar, Sunil Prajapat — ११६

गांव का इतिहास

- ग्राम कुटेड़ : एक बहुआयामी अध्ययन — डॉ. दायक राम ठाकुर — १२६

पुस्तक समीक्षा

- हिमाचल स्वाधीनता आन्दोलन का इतिहास — बी.आर. ठाकुर — १४२
- हिन्दू राष्ट्र : हिन्दुओं की राम कहानी — लकी शर्मा — १४४

ध्येय पथ

- गतिविधियां — ऋषि कुमार — १५८
- सम्पादक के नाम पत्र — १५८

ISSN 2250-2769

इतिहास दिवाकर

Itihās Diwākar

पीयर रिव्यूड अर्द्धवार्षिक अनुसंधान पत्रिका

(PEER REVIEWED HALFYEARLY RESEARCH JOURNAL)

वर्ष १७ अंक १ चैत्र मास कलियुगाब्द ५१२६ अप्रैल २०२४

ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान
नेरी, हमीरपुर (हि.प्र.)